Slow Poison
Kills everyone slowly
Directed by: Ravi Mohan
Written by: Pawan Bhardwaj
Presented By:
RAS KALA MANCH
SAFIDON

रास कला मंच के बारे में

रास कला मंच सफीदों की स्थापना इसके संस्थापक कला प्रेमी व समाज सेवी श्री रास बिहारी ने हरियाणा में स्थित जीन्द जिले के एक छोटे से कस्बे सफीदों में की। यह नाट्य संस्था नौजवान और प्रखर रंगकर्मी रवि मोहन और मनीष जोशी की मेहनत व चेष्टाओं से आगे बढ़ी। रास कला मंच हरियाणा व देशभर मे सन् 2004 से रंगकर्म के क्षेत्र में वीरता और धीरतापूर्वक संवहन कर रही है। सन 2015 में मनीष जोशी 'रास कला मंच' से अलग हुए और अपनी अलग नाट्य संस्था बनाई। इसके पश्चात रंगगुरु रवि मोहन ने स्वयं रास कला मंच का कार्यभार पूर्णरूप से संभाला। इनके नेतृत्व में नाट्य दल ने कई राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय नाट्य महोत्सवों में सफल भागीदारी निभाई है। संस्था द्वारा दूसरा आदमी दूसरी औरत, हम तो ऐसे ही है, मैं कहानी हूँ, लख्मीगाथा, जब मैं सिर्फ एक औरत होती हूँ, चंदु भाई नाटक करते हैं, परसाई की चौपाल, कहन कहानी कहन, नागमंडल, कुरुक्षेत्र गाथा, मारिया फरार, तीन खामोश औरतें, संक्रमण से वायरस तक, रेज़ांगला आदि नाटकों की सफल प्रस्तुतियाँ की गई हैं। रास कला मंच हरियाणा की लोक नाट्य शैली पर भी काम करती आई है। संस्था ने कई चर्चित सांस्कृतिक संस्थानो जैसे : राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय नई दिल्ली, संगीत नाटक अकादमी नई दिल्ली, NZCC, पटियाला, WZCC, उदयपुर, NCZCC प्रयागराज, चुनाव आयोग भारत सरकार, हरियाणा कला परिषद चंडीगढ़, मल्टी आर्ट कल्चरल सेंटर कुरुक्षेत्र, सूचना जनसम्पर्क एवं सांस्कृतिक मामले चंडीगढ़, कला एवं सांस्कृतिक विभाग, हरियाणा सरकार, चंडीगढ़ संगीत नाटक अकादमी चंडीगढ़, कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड कुरुक्षेत्र आदि के साथ भी कार्य किया है।

रास कला मंच के प्रयास

रास संगीत विद्यालय। रास रंगमंडल। रास थिऐटर पुस्तकालय
रास स्टुडियो थिऐटर। रंगमंच कार्यशाला। रास रंग सम्मान (राष्ट्रीय थिऐटर सम्मान)
चलो थिऐटर (राष्ट्रीय नाट्य उत्सव)। रासो नाट्य उत्सव
सर्पदमन नाट्य उत्सव। सर्पदमन रास रत्न सम्मान

नाटक के बारे में

नशा मतलब एक तरह का स्लो पोइज़न। जो धीरे-धीरे करके पूरे इंसानी शरीर को प्रभावित करता है। ये हमें शारीरिक तौर पर प्रभावित करने के साथ-साथ मानसिक रूप से भी प्रभावित करता है। बच्चे के जन्म की खुशी में दी जाने वाली पार्टी में शामिल होने से लेकर ये हमारे साथ हर तरह के दु :ख में भी साथ होता है।

इस नशे की शुरुआत, स्कूल में चुपके से अपने दोस्त के साथ ली गयी सिगरेट के एक कश से होती है और बाद में माँ-बाप की जमापूंजी तक को दाव पर लगा देने के साथ ही साथ, एक दिन व्यक्ति को मौत के आगोश में ले लेता है । छोटे से छोटे आदमी से लेकर और बड़े अमीर घरों के बच्चे तक रेव पार्टी के नाम से इसका सेवन बड़े पैमाने पर करते हैं। यहाँ तक की खिलाड़ी अपनी परफॉरमेंस बेहतर करने के लिए कई तरह की दवाओं का सेवन करते हैं और बाद में नशे की गिरफ्त में चले जाते हैं। किसी भी प्रकार के मादक पदार्थ को अत्यधिक मात्रा में लेने पर इन्सान अपनी सोचने-समझने की क्षमता को खो बैठता है। नाटक में नशे को एक चरित्र के रूप में दिखाया गया है। जो धीरे-धीरे करके हर सीन में अपना वर्चस्व बढ़ाता हुआ दिखाई देता है। नाटक में इस पात्र को बहुत शक्तिशाली और स्वयं के प्रति विश्वास भरा दर्शाया गया है। नाटक में नशे के वीभत्स से वीभत्स रूप को दिखानें का प्रयास किया गया है जिससे देखने वाले दर्शकों में ये भावना उत्पन्न हो की नशा सिर्फ जीवन का ही नहीं, अपितु वो व्यक्ति के पूरे व्यक्तित्व का खात्मा कर देता है।

पवन भारद्वाज - नाट्य व संवाद लेखन

भरतमुनि जी द्वारा आशीर्वाद स्वरूप प्रेषित– कलाकार वो है जो मनोरंजन के माध्यम से जीवन व समाज के लिए एक मार्गदर्शक का कार्य करता है, इसी वक्तव्य की सार्थकता को अपना जीवन दर्शन समझकर चल रहें हैं पवन कुमार भारद्वाज। बचपन से ही इन्होंने अपनी कलात्मक गतिविधियों से अपनी कला समझ को बढ़ाया है और पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के इंडियन थियेटर डिपार्टमेंट से स्नातकोत्तर की उपाधि ग्रहण की है। ये निरंतर सम्पूर्ण विश्व, जीवन व कला के अंर्तसम्बन्धों के अध्ययन की कोशिशों में लगे रहते हैं। इनके अनुसार थियेटर सभी कलाओं का मिश्रण है। एक अभिनेता के रूप में इन्होने 'मेरा दोस्त', 'पैसा बोलता है', 'समझदार लोग', 'धर्म संकट', 'दा टैम्पैस्ट', 'बड़े भाईसाहब', 'सद्गति', 'थ्री पैनी ओपेरा' और 'हरियाणा ग्रहण' आदि प्रस्तुतियों में काम किया । एक निर्देशक के रूप में इन्होने समझदार लोग, धर्म संकट, जल रहा पाकिस्तान, हज़ारे हम तुम्हारे, पंचायत, गुलाम पंछी और ओ बेटे चंडीगढ़ में अपना निर्देशन दिया। एक सह-निर्देशक के तौर पर 'मैकबैथ', 'नाचनी', 'गुरुदक्षिणा', 'दहलीज', 'गूंगी चीखें', 'कपालिका', 'नागमंडल', 'घासीराम कोतवाल', 'भगवत अज्जुकम', 'हीर-रांझा', 'कुरुक्षेत्र गाथा', रेज़ांग ला, जीवन का रंगमंच और केकई गाथा आदि। लेखक के रूप में 'पंचायत', 'गुलाम पंछी', 'हांसों दोपहरी में बबली गैल ', 'हरियाणा ग्रहण', 'ओ बेटे चंडीगढ़', 'हैप्पी बर्थड़े हरियाणा', 'लगता है हमें फिर आना पड़ेगा', जीवन का रंगमंच, केकई गाथा और रामायण उत्सव इत्यादि में अपना अहम योगदान दिया। पवन कुमार भारद्वाज ने रास कला मंच व अन्य नाट्य दलों के लिए अब तक लगभग 20 से ज्यादा नाट्य प्रस्तुतियों के लिए प्रकाश परिकल्पना व प्रकाश संचालन किया है। पवन कुमार भारद्वाज लगातार रास कला मंच के नाट्य उत्सव प्रथम चलो थियेटर से अब तक हुए 9वें चलो थियेटर तक बतौर कला-सलाहकार जुड़े हुए हैं तथा रास कला मंच के अन्य कलात्मक तकनीकी पहलुओं को देख रहे हैं। इनके द्वारा की गयी प्रकाश परिकल्पना की प्रस्तुतियाँ राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली के अंतराष्ट्रीय रंग महोत्सव (भारंगम) और संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली के पुरूस्कार वितरण समारोह में भी प्रस्तुत हो चुकी हैं।

रवि मोहन - निर्देशक के बारे में

अभिनेता, निर्देशक, प्रशिक्षक और मार्गदर्शक रवि मोहन रंगमंच और मीडिया के साथ पिछले लगभग 25 वर्षों से जुड़े है। 2002 मे इन्होंने अपने पिता श्री रास बिहारी जी के साथ अपना सांस्कृतिक दल रास कला मंच, सफीदों के नाम से आरंभ किया और युवा निर्देशक के रूप में पूरे देश भर में अपनी पहचान बनाई। रवि मोहन ने अभी तक 36 नाटको का निर्देशन और 15 नाटको में मुख्य अभिनेता के तौर पर अभिनय किया है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र से इतिहास विषय मे लघू शोध करने के बावजूद इनका रंगमंच में व्यवसायिक रूप से आने का पूरा श्रेय ये श्रीमति डॉली अहलूवालिया तिवारी व श्री कमल तिवारी जी को देते है और ये अपने आपको उनका ऋणी मानते है जिनकी वजह से इन्होने अपनी रंग-शिक्षा संगीत नाटक अकादमी, दिल्ली व राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, दिल्ली के द्वारा आयोजित नाट्य कार्यशालाओं मे ली व वरिष्ठ रंग-शिक्षको से इन्हे रंगमंच की बारीकियों को सीखने का मौका मिला। इन्हें संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार से 2 वर्षों के लिए जूनियर फेल्लौशिप प्राप्त है ।

अपने रंगमंचीय सफर में इन्होने टॉम अल्टर, निरंजन गोस्वामी, कमल तिवारी, डॉली अहलूवालिया तिवारी, राजिन्द्र गुप्ता, जयदेव तनेजा, विनोद नागपाल व अन्य कई प्रतिष्ठित हस्तियों के साथ भी कार्य किया है। इसके अतिरिक्त इन्होने टी.वी. सीरियल्स एक और काहानी (डी डी 1), सबरंग (डी डी हिसार), क्राइम पेट्रोल (सोनी टी वी), जिंदगी के क्रोस रोड्स (सोनी टी वी) और ब्रॉड लेन ऐरोप्लेन (**Short Film**) में भी काम किया है। रंग निर्देशक के रूप में इन्होने कई नाटकों का निर्देशन किया है जिनमे प्रमुख हैं नागमंडल, दूसरा आदमी दूसरी औरत, अंधा युग, अक्स तमाशा, मैं कहानी हूँ, चंदू भाई नाटक करते हैं, मारिया फरार, गूंगी चीखें, संक्रमण से वायरस तक, आषाढ़ का एक दिन, घासीराम कोतवाल, रेज़ांग ला, जीवन का रंगमंच, हीर रांझा, नाचनी, मिस्सू चन्नी, कुरुक्षेत्र गाथा, सूर्य की अंतिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक इत्यादि। इनके द्वारा निर्देशित किए गए नाटक मैकबेथ और कुरुक्षेत्र गाथा का मंचन अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी हुआ है। इन्होने अलग-अलग जगह पर रंगमंच की कार्यशालाओं का भी आयोजन किया है, जिसमे कई युवा कलाकारों ने इनसे अभिनय के गुण सीखे।

इन्होंने भारत देश मे आयोजित हुए कई प्रतिष्ठित राष्ट्रीय नाट्य समारोह मे कई नाटको की प्रस्तुतियां की है। इनके नाटकों को हर जगह सराहना मिली एवं इन्हें कई रंग पुरस्कारों एवं सम्मान से नवाज़ा गया है। इन्हें पुणे में आयोजित राष्ट्रीय युवा महोत्सव में, नाटक नागमंडल के निर्देशन के लिए सन् 2007 में स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

अंकिता - सहनिर्देशिका के बारे में

अंकिता गोरखपुर उत्तर प्रदेश से दिग्विजय नाथ पी. जी. कॉलेज से ग्रेजुएट हैं। पिछले 8 वर्षों से रंगमंच के क्षेत्र में सक्रिय हैं। 2019 में इन्होंने भारतेन्दु नाट्य अकादमी से नाट्य विद्या में डिप्लोमा प्राप्त किया और साथ ही शास्त्रीय नृत्य कत्थक की शिक्षा प्रयाग संगीत समिति से प्राप्त की है। इन्होने मानवेन्द्र त्रिपाठी, मनोज शर्मा, के. के. राजन, कीर्ति जैन, सत्यव्रत राउत, पार्था बंधोपाध्याय, बंसी कॉल, सी. आर. जम्बे, विक्रांत मणि त्रिपाठी के साथ काम किया है। इन्होंने मैं और रूही नाटक का लेखन किया, उसे अभिनेत्री और निर्देशिका के रूप मंचित किया है इन्होंने बलि और शम्भू, डेढ़ इंच ऊपर नाटकों का भी निर्देशन किया है। साथ ही सूर्य मोहन कुलश्रेष्ठ, बंसी कॉल, पार्था बंधोपाध्याय और व्रिकांत मणि त्रिपाठी के निर्देशन में सह-निर्देशन के तौर पर काम किया है। मेटामोरफोसिस, पगलाए गुस्से का धुआं तथा दीक्षा उपन्यास के नाट्य रूपांतरण में सह-लेखन किया है। गज-फुट-इंच, उठो-अहल्या, बंद कमरे, विरासत, पगलाए गुस्से का धुआं, लोवर डेप्थ, बेबी, बलि और शम्भू, सूर्य की अंतिम किरण से पहली किरण तक, प्रेमचंद के पात्र प्रेमचंद के नाटकों में अभिनेत्री के तौर पर काम किया है। डु एंड डाई, शक नाम की शॉर्ट फिल्मों में भी अभिनय किया है। डी. पी. सिन्हा के नाटक सम्राट अशोक की प्रकाश परिकल्पना और संचालन में सहायक के तौर पर काम किया है। वर्तमान में रास कला मंच सफीदों के रंगमंडल में बतौर रंग सहनिर्देशिका और अभिनेत्री के तौर पर कार्य कर रही हैं।

दीपक कुमार

मंच सज्जा एवं हस्त सामग्री निर्माता के बारे में

चित्रकार दीपक कुमार का जन्म 5 सितंबर 1969 को हरियाणा प्रांत के पानीपत शहर में हुआ । बचपन से ही इनकी रुचि कला एवं कलात्मक कृतियों में रही है । दीपक कुमार बहुआयामी प्रतिभा के धनी हैं और ये चित्रकला के अलावा मूर्तिकला, शिल्पकला एवं संगीत की भी अच्छी समझ रखते हैं । अपने सौम्य व्यक्तित्व के कारण ये सबके दिलों पर अपनी अनूठी छाप छोड़ते हैं । इन्होने चित्रकला की साधना प्रसिद्ध चित्रकार श्री सोमदत्त शर्मा (जीन्द) जी के सानिध्य में की । इनकी खास रुचि यथार्थवादी चित्रकला में है । ये रास कला मंच, सफीदों रंग मण्डल से काफी लंबे समय से जुड़े हुए हैं। इन्होने 'नागमंडल', संक्रमण से वायरस तक, मारिया फरार, रेजांग ला और 'कुरुक्षेत्र गाथा' आदि नाटकों में मंच परिकल्पना, मंचसज्जा व हस्त सामग्री तैयार की है । इनके अनुसार 'एक अच्छी अभिव्यक्ति के लिए कलाकार का भावुक होना बहुत आवश्यक है ।

शिवानी दुबे

वस्त्र विन्यास कलाकार के बारे में

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से फ़ैशन डिज़ाइनिंग में एक साल का डिप्लोमा और साथ ही विश्वविद्यालय के आई.आई.टी डिपार्टमेंट से प्रोफ़ेसर आरती विश्वकर्मा के सानिध्य में वर्कशॉप की है। ये दिल्ली विश्वविद्यालय से हिंदी और इतिहास से स्नातक है। सन 2019 से रास कला मंच के साथ जुड़ी हुई है। इन्होंने रामायण, कैमलूप्स की मछलियां, विश्व गुरु भारत, सूर्य की अंतिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक नाटकों का कॉस्ट्यूम डिज़ाइन किया है। इसके अलावा इन्होंने हैल्लो पुलिस वेब सीरियल में कॉस्ट्यूम डिज़ाइन किया है। कॉस्ट्यूम डिज़ाइन के साथ ही साथ इन्होंने कैमलूप्स की मछलियाँ, सूर्य की अंतिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक नाटकों में बतौर अभिनेत्री भी कार्य किया है। ये टिकट्यूबर नामक शार्ट फ़िल्म में मुख्य किरदार में रहीं है । वर्तमान में ये रास कला मंच में बतौर अभिनेत्री तथा वस्त्र विन्यास के लिये कार्य कर रहीं हैं।

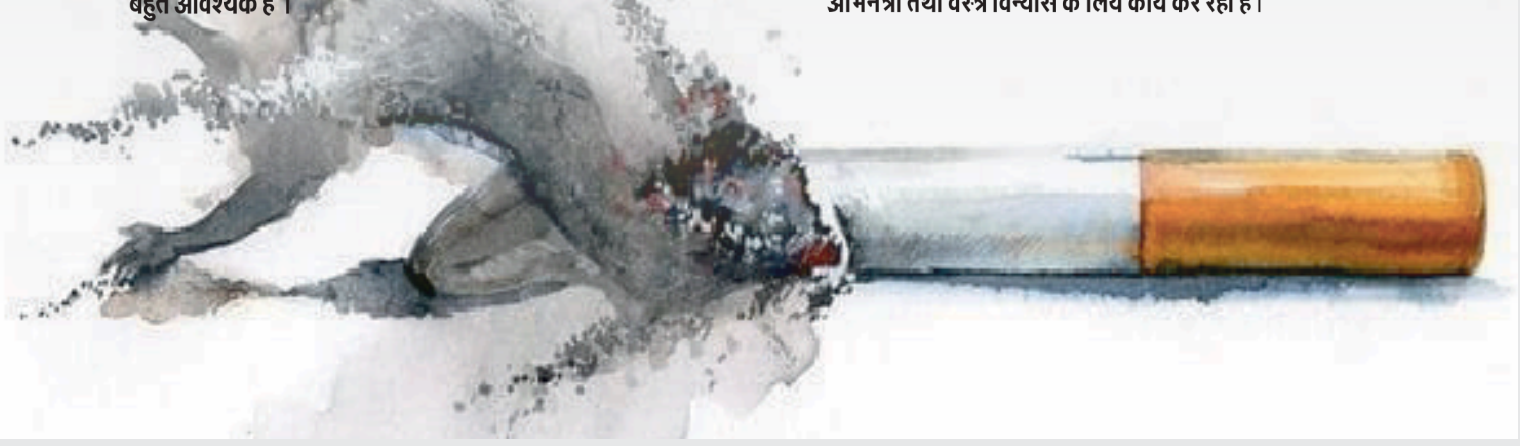

जनशक्ति फॉर जलशक्ति

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ

आजादी का अमृत महोत्सव

स्वाधिन भारत की 75वीं वर्षगांठ की सभी देशवासियों को शुभकामनाएं

Drug Free India

प्रस्तुति

रास कला मंच
हरियाणा

वार्ड नं 9, नजदीक जेसीज भवन, सम्राट कॉलोनी
सफीदों, जिला जीन्द 126112, हरियाणा
+91 92155 12300

www.raskalamanch.in
mail us at: rasravimohan@gmail.com, raskalamanch@gmail.com